हिंदी विश्वविद्यालय में शिक्षा नीति पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

शिक्षा नीति के क्रियान्वयन एवं चुनौतियां पर विमर्श

वर्धा, 8 अगस्त 2020: नई शिक्षा नीति : क्रियान्वयन एवं चुनौतियां विषय पर महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के शिक्षा विद्यापीठ की ओर से कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल जी की अध्यक्षता में दो दिवसीय (8 एवं 9 अगस्त) राष्ट्रीय संगोष्ठी का प्रारंभ शनिवार को आॅनलाइन किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एनसीईआरटी के पूर्व निदेशक श्री जगमोहन सिंह राजपूत तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. कुलदीप अग्निहोत्री ने विचार प्रकट किये. इस अवसर पर प्रति कुलपति प्रो. हनुमान प्रसाद शुक्ल और प्रो. चंद्रकांत रागीट प्रमुखता से उपस्थित थे.

स्वागत शिक्षा विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. मनोज कुमार ने किया तथा रूपरेखा शिक्षा विद्यापीठ के अध्यक्ष डॉ. गोपाल कृष्ण ठाकुर ने प्रस्तुत की.

प्रो. कुलदीप अग्निहोत्री ने नई शिक्षा नीति में संस्कृत को लेकर अपने विचार रखते हुए कहा कि इस नीति में संस्कृत को बोलचाल तथा आधुनिक भाषा का दर्जा दिया है. संस्कृत में बड़ी मात्रा में साहित्य उपलब्ध है. संस्कृत की 25 लाख पांडुलिपियां हैं जिसमें साहित्य से संबंधित 5 लाख पांडुलिपियां मौजूद है. यदि इनका विभिन्न भाषाओं में अनुवाद किया जाए तो ज्ञान की बाढ़ आ जाएगी. उन्होंने कहा कि इसे प्रकाशित करने के लिए विश्वविद्यालयों को आगे आना चाहिए.

श्री जग़मोहन सिंह राजपूत ने कहा कि नई शिक्षा नीति 2020 में भविष्य की अनेकानेक संभावनाएं दिखाई देती हैं. हमें अध्यापकों को प्रशिक्षित कर अनुशासन के साथ शिक्षा नीति के क्रियान्वयन का काम करना होगा. उन्होंने इस नीति को समावेशी करार देते हुए कहा कि महात्मा गांधी जी की बुनियादी शिक्षण व्यवस्था की झलक शिक्षा नीति में प्रदर्शित हो रही है. अध्यक्षीय वक्तव्य में कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल ने कहा कि नई शिक्षा नीति में नीति के साथ नियत भी स्पष्ट है. इस नीति से शिक्षा संस्थाओं में पारस्परिक सहयोग बढेगा. शिक्षा नीति का यह पौधा बडे वृक्ष में विकसित होगा और आनेवाले भविष्य में श्रेष्ठतम रूप से कलरव करेगा. उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति के दूरगामी परिणाम होंगे और 21 वीं ही नहीं बल्कि 22 वीं शताब्दी की चुनौतियों से निपटने का रास्ता इस नीति के माध्यम से निकलेगा.

कार्यक्रम का संचालन आयोजन सचिव डॉ. शिरीष पाल सिंह ने किया तथा धन्यवाद डॉ. भरत पण्डा ने ज्ञापित किया.

उदघाटन सत्र के बाद प्रति कुलपति प्रो. चंद्रकांत रागीट की अध्यक्षता में सत्र आयोजित किया गया.

इस सत्र में केंद्रीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रो. पंकज अरोड़ा, हिमाचल प्रदेश केंद्रीय विश्वविद्यालय में शिक्षा विभाग के प्रो. मनोज कुमार सक्सेना और महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय बडौदा की शिक्षा एवं मनोविज्ञान संकाय की प्रो. सुजाता श्रीवास्तव ने विमर्श किया.

संगोष्ठी का समापन कुलपति प्रो. रजनीश कुमार शुक्ल की अध्यक्षता में रविवार 9 अगस्त को होगा जिसमें गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय नोएडा के कुलपति प्रो. बी. पी. शर्मा मुख्य अतिथि होंगे.